IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था में कोविड –19 का प्रभाव, चुनौतियां एवं अवसर

डॉ0 नीलम परिहार

भाोध सारां"ा

वर्तमान में कोविड–19 का प्रकोप वि"व के विभिन्न भागों में एक प्रमुख चिन्ता का विशय बनकर हम सब के समक्ष उभरा है। कोरोना वायरस रोग (कोविड–19) एक संक्रामक रोग है, जो गंभीर तीव्र भवसन सिंड्रोम कोरोना वायरस 2 (।ै.ब्वट.2) के कारण उत्पन्न होता है। कोविड–19 के प्रकोप को देखते हुए वि"व स्वास्थ्य संगठन (भ्ब्) ने इसे महामारी घोशित कर दिया। कुछ मायनों में कोरोना वायरस महामारी वर्श 1918 में हुई दुर्घटना से भी अधिक भयावह है। अतः इसके प्रभाव भी आर्थिक एवं स्वास्थय के क्षेत्रों में बहुत गम्भीर हो रहे हैं। भारत ने भाुरु से ही कोरोना महामारी के प्रकोप को गम्भीरता से लिया है एवं केन्द्र सरकार द्वारा समय–समय पर कई उपायों की लगातार घोशणा को जाती रही है, परन्तु सरकार के सम्मुख सबसे बड़ी समस्या यह है कि किस प्रकार स्वास्थ्य एवं अर्थव्यवस्था में सामंजस्य बिठाया जाए क्योंकि कोरोना महामारी स्वास्थ्य एवं आर्थिक प्रगति को बहुत विपरीत रुप से प्रभावित कर रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था की दृश्टि से कोरोना वायरस महामारी का आर्थिक प्रभाव काफी हद तक विघटनकारी रहा है। पर्वतीय राज्य उत्तराखण्ड भी इस महामारी के दुश्परिणामों से अछूता नहीं है। कोरोना महामारी की रोकथाम हेतु लॉकडाउन की व्यवस्था ने उत्तराखण्ड राज्य की अर्थव्यवसथा के चक्के थाम दिए हैं। इसका गहरा प्रभाव समाज तथा कारोबार के प्रत्येक क्षेत्र पर पड़ा है। वि"ोश तौर पर लाखों परिवारों की आजीविका से जुड़े एमएसएमई सेक्टर के अस्तित्व पर ही प्र"न उठ खड़ा हुआ है। वर्तमान समय में छोटे से लेकर बड़े उद्योगों के सम्मुख कच्चे माल और व्यापार को दोबारा ढर्रे पर लाने की चुनौती है।

अतः प्रस्तुत भाोध के द्वारा "उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था पर कोविड–19 का प्रभाव, अवसर व चुनौतियों" पर प्रका"ा डालने का प्रयास किया गया है।

कुंजी भाब्द : महामारी, कोरोना वायरस, अर्थव्यवस्था, भारत, उत्तराखण्ड, अवसर, चुनौतियां।

प्रस्तावना

कोरेाना वायरस कई प्रकार के विशाणुओं का एक समहू है जो स्तनधारियों और पक्षियों में रोग उत्पन्न करता है। यह आरएनए वायरस होते हैं। इनके कारण मानवों में भवास तंत्र संक्रमण पैदा हो सकता है जिसकी गहनता हल्की (जैसे सर्दी–जुकाम) से लेकर अति गंभीर (जैसे मृत्यु) तक हो सकती है। इसकी रोकथाम के लिए कोई टीका (वैक्सीन) या विशाणुरोधी (दजपअपतंस) अभी उपलब्ध नहीं है और उपचार के लिए प्राणी अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली पर निर्भर करता है। कोरोना वायरस वि"वमारी (2019–20) की भ्रुरुआत एक नए किस्म के कोरोना वायरस (2019–दब्बट) के संक्रमण क रुप में मध्य चीन के वुहान भाहर में 2019 के मध्य दिसम्बर में हई। बहुत से लोगों को बिना किसी कारण निमोनिया होने लगा और यह देखा गया कि पीड़ित लोगों में से अधिकतर लोग वुहान सी फूड मार्केट में मछलियां बेचते हैं तथा जीवित प"ाुओं का भी व्यापार करत` हैं। चीनी वैज्ञानिकों ने बाद में कोरोना वायरस की एक नई नस्ल की पहचान की जिसे 2019–दब्बट प्रारंभिक पदनाम दिया गया। इस नए वायरस मं` कम से कम 70 प्रति"ात वही जीनोम अनुक्रम पाए गए जो सार्स–कोरोना वायरस में पाए जाते हैं। संक्रमण का पता लगाने के लिए एक वि"िाष्ट नैदानिक पीसीआर परीक्षण के विकास के साथ कई मामलों की पुश्टि उन लोगों में हुई जो सीधे बाजार से जुड़े हुए थे और उन लोगो में भी इस वायरस का पता लगा जो उस मार्केट से नहीं जुड़े थे। पहले यह स्पश्ट नहीं था कि यह वायरस सार्स जितनी ही गंभीरता या घातकता का है अथवा नहीं।

तालिका संख्या – 01 विशाणु वर्गीकरण

ट्रुप	ग्रुप प्ट ((+)एसएसआरएनए)
अधिजगत	वायरस
जगत	राइबोवेरिया
संघ	अनि"चत
गण	नीडोविरालीस
कुल	कोरोनाविरिडाए
उपकुल	ऑर्थोकोरोनाविरिडाए
व"ा	• अल्फाकोरोनावायरस • बेटाकोरोनावायरस • गामाकोरोनावायरस • डेल्टाकोरोनावायरस

स्रोत : www.google.com

20 जनवरी 2020 को चीनी प्रीमियर "ली केकियांग" ने नोवल कोरोना वायरस के कारण फैलने वाली निमोनिया महामारी को रोकने और नियंत्रित करने के लिए निर्णायक और प्रभावी प्रयास करने का आग्रह किया। 14 मार्च 2020 तक दुनिया में इससे 5,800 मौतें हो चुकी थीं। इस वायरस के पूरे चीन में, मानव से मानव संचरण के प्रमाण हैं। 9 फरवरी तक व्यापक परीक्षण मं` 88,000 से अधिक मामलां`का खुलासा हुआ था, जिनमें से कुछ स्वास्थ्यकर्मी भी थे। 20 मार्च 2020 तक थाईलैंड, दक्षिण कोरिया, जापान, ताइवान, मकाऊ, हांगकांग, संयुक्त राज्य अमेरिका, सिंगापुर, वियतनाम, भारत, ईरान, इराक, इटली, कतर, दुबई, कुवैत और अन्य 160 दे"ाों में पुश्टि के मामले सामने आए।

तालिका संख्या – 02

कारोना वायरस रोग 2019 (ब्व्टप्क. 19)

दूसर` नाम	कोरोनावाइरस कोरोना कोविड 2019–दब्वट तीव्र भवसन रोग उपन्यास कोरोनावायरस निमोनिया उपन्यास रोगजनकों के साथ गंभीर निमोनिया
वि”ोशता	संक्रामक रोग
लक्षण	बुखार, खांसी, थकान, सांस की तकलीफ, स्वाद या गंध की कमी, कभी–कभी कोई लक्षण नहीं
जटिलतायें	निमोनिया, वायरल सेप्सिस, तीव्र भवसन सिंड्रोम, गुर्दे की विफलता, साइटोकिन रिलीज सिंड्रोम
सामान्य भाुरुआत	संक्रमण से 2 से 14 दिन (आमतौर पर 5)
समयांतराल	5 दिन से 6 + महीने तक ज्ञात
कारण	गंभीर तीव्र भवसन सिंड्रोम कोरोनावायरस 2 (|ै.ब्वट.2)
नैदानिक विधि	आरआरटी–पीसीआर परीक्षण, सीटी स्कैन
निवारण	हाथ धोना, मुंह ढंकना, सामाजिक भेद
इलाज	रोगसूचक और सहायक

स्रोत : www.google.com

2019–20 कोरोना वायरस महामारी के 30 जनवरी 2020 को भारत में फैलने की पुश्टि हुई थी। 30 जनवरी को भारत ने केरल में कोविड–19 के अपने पहले मामले की सूचना दी, जो 3 फरवरी तक तीन मामलों में बढ़ गई। 4 मार्च को 22 नए मामल` सामने आए, जिनमें एक इतालवी पर्यटक समूह के 14 संक्रमित सदस्य भाामिल थे। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिशद और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 26 सितंबर 2020 तक इस वायरस से भारत में 59,03,932 मामलों की पुश्टि की है जिसमें 93,379 लोगों की मृत्यु हुई। इस प्रकोप को एक दर्जन से अधिक राज्यों और केन्द्र भाासित प्रद” ाां`में महामारी घोशित किया गया, जहां महामारी रोग अधिनियम 1897 के प्रावधानों को लागू किया गया और भौक्षणिक संस्थानों और कई वाणिज्यिक संस्थानों को बन्द कर दिया गया। साथ ही सरकार ने सभी पर्यटक वीजा को भी निलंबित कर दिया, क्योंकि अधिकां”ा पुश्ट मामल` अन्य दे”ाो `से लौट`लोगों में पाये गए। 22 मार्च को भारत सरकार द्वारा दे”ा के 22 राज्यों और केन्द्र भाासित प्रदे”ाों के 82 जिलों को पूरी तरह से बन्द करन` का निर्णय लिया गया। 23 मार्च को दिल्ली में कम से क.म 31 माच`तक लॉकडाउन करन`का निर्णय लिया गया।

24 मार्च को, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी न` कोरोना वायरस से निपटने के लिए पूरे भारत मं` 21 दिनों के लिए लॉकडाउन करने का आद"ा दिया, जिसके फलस्वरुप 14 अप्रैल तक सभी लागों को घर से न निकलन क`लिए कहा गया। हालांकि लॉकडाउन होने के बाद भी जरुरी सामान के लिए दुकानें और मेडिकल स्टोर खुले रहे। 14 अप्रैल को, भारत ने 3 मई तक द" ाव्यापी तालाबंदी का`बढ़ा दिया था, जिसके बाद 3 और 17 मई से भाुरु होने वाले दो सप्ताह के विस्तार के साथ पर्याप्त छूट दी गई थी। 1 जून से, सरकार ने तीन अनलॉक चरणों में दे"ा को "अनलॉक करना" भाुरु कर दिया। कोरोना महामारी के दौरान लगाए गए लॉकडाउन के कारण द" ा की आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई एव ंकरोड़ों लोगों का रोजगार चला गया। कई अंतर्राश्ट्रीय एंजेसियों ने भारत की अर्थव्यवस्था के सिकुड़ने का अनुमान लगाया है।

तालिका संख्या – 03

भारत में राज्य और केन्द्र भाासित प्रदे"ा में महामारी

राज्य /केन्द्र भाासित प्रदे"ा	मामले	ठीक होने वाले	मृत्यु
अंडमान और निकोबार द्वीप	4046	3796	55
आन्ध्र प्रदे"ा	767465	719477	6319
अरुणांचल प्रदे"ा	12768	9694	29
असम	198213	168069	834
बिहार	199549	187998	967
चंडीगढ़	13403	12119	199
छत्तीसगढ़	150696	121548	1339
दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव	3168	3081	2
दिल्ली	317548	289747	5898
गोवा	39438	34731	519
गुजरात	154936	136404	3595
हरियाण	145542	133741	1614
हिमांचल प्रदे"ा	18008	15217	250
जम्मू और क"मीर	85409	74318	1352
झारखंड	94369	86367	811
कर्नाटक	735371	611167	10217
केरल	310140	215149	1066
लद्दाख	5304	4261	64
लक्षद्वीप	0	0	0

मध्य प्रदे"ा	155276	138158	2686
महाराश्ट्र	1554389	1316769	41332
मणिपुर	13793	10829	97
मेघालय	7991	5582	70
मिजोरम	2227	2108	0
नागालैण्ड	7416	5855	27
ओड़ि"ाा	259541	235763	1125
पुडुचेरी	32245	27152	568
पंजाब	125211	113105	3894
राजस्थान	165240	141835	1694
सिक्किम	3459	2994	59
तमिलनाडु	670392	617403	10423
तेलगं ाना	216238	191269	1241
त्रिपुरा	28856	25018	315
उत्तराखण्ड	56070	48798	796
उत्तर प्रद" ा	444924	401112	6509
प"चिम बंगाल	305697	268384	5808
कुल	7304338	6379018	111774

स्रोत : www.covidindia.org

तालिका से स्पश्ट होता है कि दे"ा में कोरोना के 73,04,338 मामल` हैं, जिनमें से 63,79,018 लोग ठीक हुए तथा 1,11,774 लोगों की मृत्यु हुई है। भारत के सभी राज्यों और केन्द्र भाासित प्रदे"ाों के कुल मामलों मं` उत्तराखण्ड नबंर 21 पर है। महाराश्ट्र मे ंकोरोना वायरस के 15,54,389 मामले हैं, जो भारत के सभी राज्यों में सबसे ज्यादा हैं। उत्तराखण्ड राज्य में कोरोना संक्रमण के 15 मार्च 2020 को फैलने की पुश्टि हुई थी। इन्दिरा गांधी राश्ट्रीय वन अकादमी देहरादून के एक ट्रेनी आईएफएस अफसर में कोरोना की पुश्टि हुई। इसके प"चात राज्य में संक्रमण के दिन–प्रतिदिन नय` मामले आने के कारण कोरोना संक्रमण को महामारी घोशित होने के साथ ही अस्थाई रुप से आपदा में भाामिल कर लिया गया। दे"ा में लबं` समय से चल रहे लॉकडाउन के कारण पूरा कामकाज ठप हो गया, जिसकी वजह से राज्यों की अर्थव्यवस्था का काफी नुकसान हुआ। उत्तराखण्ड राज्य की अर्थव्यवस्था को लगभग 10 हजार करोड़ का नुकसान हुआ। राज्य मं` सबसे ज्यादा पर्यटन, तीर्थाटन और छोटे बड़े उद्योगों की कमर ही टूट गई, क्योंकि इन्हीं सेक्टर से उत्तराखण्ड में लाखों लोगों की आर्थिक स्थिति जुड़ी हुई है।

तालिका संख्या – 04

उत्तराखण्ड राज्य में जिलेवार कोरोना महामारी

जिले	पुश्टित मामले	ठीक हुए	मृत्यु
अल्मोड़ा	1543	1386	8
बागे”वर	720	588	4
चमोली	1193	918	0
चम्पावत	906	654	5
देहरादून	14497	11477	332
हरिद्वार	10044	8371	105
नैनीताल	6241	5350	124
पौड़ी गढ़वाल	2153	1564	21
पिथौरागढ़	1175	950	5
रुद्रप्रयाग	785	624	2
टिहरी गढ़वाल	2663	2046	4
उधम सिंह नगर	8780	8090	69
उत्तरका”ाी	2259	1613	9
कुल	52,959	43,631	688

स्रोत : www.covidindia.org/uttarakhand

उर्पयुक्त तालिका से यह ज्ञात होता है कि उत्तराखण्ड राज्य में इस बीमारी के 52,959 मामले प्रका”ा में आये हैं, जिनमें से 43,631 लोग ठीक हुए तथा 688 लोगों की मृत्यु हुई। राज्य में संक्रमण के सबसे ज्यादा मामल` देहरादून मं` हैं, जहां कुल 14,497 मामले प्रका”ा म`आये, जिनमें से 11,477 लोग ठीक हुए तथा 332 लोगों को अपनी जान गवांनी पड़ी। प्रदे”ा में सैंपल जांच के आधार पर संक्रमण की दर लगातार बढ़ रही है। संक्रमण दर अब तक की सबसे अधिक 6.51 प्रति”ात पर आ गयी है। वहीं, रिकवरी दर 66.87 प्रति”ात और डबलिंग दर 21.89 दिन हो गई है। राज्य सरकार ने कोविड संक्रमण से बचाव और मरीजों के इलाज के लिए आईवरमेक्टिन दवा का प्रयोग करन` की अनुमति दी है। यह दवा कोरोना संक्रमित मरीज, संपर्क में आने वाले और स्वास्थ्य कर्मियों को दी जायेगी।

भाोध प्रारुप तथा उद्दे”य

प्रस्तुत भाोध उत्तराखण्ड राज्य की अर्थव्यवस्था में कोविड – 19 के प्रभाव, चुनौतियों व अवसर पर आधारित है, जिसकी प्रकृति विवरणात्मक है तथा यह द्वितीयक समंकों पर आधारित है। द्वितीयक समंकों के संकलन हेतु भाोध पत्रों, इन्टरनेट, समाचार पत्रों, प्रका”ित लखे ा, सरकारी आंकड़ो इत्यादि का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत भाोध कार्य के निम्नलिखित उद्दे”य हैं :

- उत्तराखण्ड राज्य की अर्थव्यवस्था में कोरोना महामारी के प्रभाव का वि"लेशणात्मक अध्ययन करना।
- राज्य मं` कोविड – 19 से उत्पन्न चुनौतियों व अवसरों पर प्रका"ा डालना।

कोरोना महामारी का राज्य की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए सरकार द्वारा लगाए गए लॉकडाउन का राज्य की अर्थव्यवस्था पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ा है। इस लॉकडाउन का समाज और कारोबार के हर क्षेत्र पर गहरा प्रभाव पड़ा। लाखों परिवारों की आजीविका पर ही संकट उठ खड़ा हुआ। कोरोना महामारी के कारण राज्य सरकार को आर्थिक रुप से बड़ा झटका लगा है। पिछले वर्श की तुलना में इस वर्श अप्रैल माह से अगस्त माह तक जीएसटी से 44 प्रति"ात राजस्व कम मिला है। इसी तरह नॉन जीएसटी से प्राप्त होने वाल राजस्व में भी 22 प्रति"ात की कमी आई है। कोरोना महामारी के चलते लॉकडाउन में पर्यटन गतिविधियां पूरी तरह से बन्द रहन` के कारण जहां पर्यटन कारोबारियों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है, वहीं प्रदे"ा सरकार को जीएसटी घटने से झटका लगा है। पर्यटन उद्योग राज्य को अर्थव्यवस्था की रीढ. है। कोविड महामारी के कारण सबसे ज्यादा मार पर्यटन सेक्टर पर पड़ी है।

विगत वित्तीय वर्श 2019–20 में अप्रैल से अगस्त माह में सरकार को लगभग 2292 करोड़ का जीएसटी प्राप्त हुआ था, वहीं इस वर्श 2020–21 में 1291 करोड़ का जीएसटी प्राप्त हुआ। बीते वर्श की तुलना मं` इस वर्श सरकार को एक हजार करोड. का जीएसटी कम प्राप्त हुआ है। नॉन जीएसटी के रुप में डीजल, पेट्रोल, नेचुरल ऑयल, आबकारी पर मिलने वाले टैक्स में भी 22 प्रति"ात की कमी आई है। कोरोना वायरस फैलने से रोकने के लिए सरकार द्वारा उत्तराखण्ड एपिडेमिक डिजीज कोविड–19 रेगुले"ान 2020 के अन्तर्गत राज्य में घरेलू व विदे"ाी पर्यटकों के रुकने पर रोक लगाई गई तथा साथ ही पर्यटकों को होटल व गेस्ट हाउस आदि में बुकिंग नहीं दी गयी। तीर्थ नगरी हरिद्वार, योग नगरी ऋशिके"ा समते प्रदे"ा के अन्य तीर्थ व पर्यटन स्थलां पर भी पर्यटकों को होटल, गेस्ट हाउस आदि में बुकिंग नहीं दी गयी, हालांकि पर्यटकों के वाहनों के राज्य में प्रवे"ा और राज्य से होकर गुजरने मं` कोई आपत्ति नहीं की गयी, केवल प्रदे"ा में उनके रुकने पर रोक लगाई गई। कोरोना वायरस के कारण उत्तराखण्ड राज्य मं पर्यटन व्यवसाय को लगभग 500 करोड़ का नुकसान हो चुका है।

कोरोना वायरस के संक्रमण से जहां अर्थव्यवस्था के साथ रोजमर्रा की जिन्दगी पूरी तरह से प्रभावित है, वहीं ि"ाक्षा पर भी कोरोना वायरस का बुरा असर पड़ा है। राज्य में सभी स्कूल, कॉलेज पूरी तरह बन्द कर दिए गए तथा परीक्षाएं रद करन` के साथ ही भौक्षणिक सत्र आगे बढा़ दिया गया। ससांधनों के अभाव मं` उच्च ि"ाक्षा का स्तर नहीं उठ पा रहा है। इसके अतिरिक्त व्यवसाय व नौकरियों मं` इस महामारी का बुरा असर पड़ा है। होटल कारोबार, टूर एण्ड ट्रैवल कम्पनी और एयरलाइंस पर इतना बुरा प्रभाव पड़ा है कि तीनों सेक्टर में मंदी छा गई है और नौकरियां जाने का खतरा मंडरान` लगा है। होटल और एयरलाइंस उद्योग के कारोबार में लगभग 70 से 80 फीसदी गिरावट आई है। राजधानी दहे रादून में प्राइवेट नौकरियों का बड़ा संकट पैदा हो गया। कोरोना वायरस के कारण फार्मा छोड़ सभी सेक्टर बन्द पड़े हैं। प्रोडक"ान भून्य है। कोरोना महामारी के कारण उत्तराखण्ड राज्य की अर्थव्यवस्था को लगभग 10 हजार करोड़ का नुकसान हुआ। प्रदे"ा को सरकारी राजस्व के तौर पर करीब 1700 करोड़ का नुकसान हुआ है।

कोरोना महामारी से राज्य में उत्पन्न चुनौतियां व अवसर

कोविड–19 एक नया वायरस है। इसका अब तक कोई टीका नहीं बना है, इसलिए बुनियादी स्वच्छता और रोकथाम के उपाय बहुत मायने रखते हैं। भारत में केरल की काफी प्र"ांसा हुई है कि उसने कोविड–19 के मामलों को कैसे संभाला है। लेकिन हर भारतीय राज्य केरल नहीं है, जिसके पास साक्षर आबादी और उत्कृश्ट स्वास्थ्य प्रणाली है। हर भारतीय राज्य के सामने कोविड से लड़ना एक चुनौती बनता जा रहा है। कोरोना के संक्रमण की रोकथाम को लेकर उत्तराखण्ड में भी चुनौतियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। कोरोना ने उत्तराखण्ड में मुसीबतों का पहाड़ खड़ा कर दिया है। राज्य में दिन–प्रतिदिन कोरोना के मामलों में वृद्धि हो रही है। मैदान से लके र पहाड़ तक सभी जिल` अब इस बीमारी की जद में हैं। जिस तेजी से मामले बढ़े हैं, सरकार सिस्टम को न केवल इस स्थिति से निपटने के लिए कारगर रणनीति बनानी होगी बल्कि तैयारियों की भी नए सिरे से समीक्षा करनी होगी। पहाड़ में स्वास्थय सुविधाओं की जो स्थिति है उसने भी चिन्ता बढ़ा दी है। दहे रादनू, हरिद्वार, नैनीताल, उधमसिहंनगर तक तो ठीक था, पर पर्वतीय जिलों में जिस तजी से मामले बढ़े हैं, उसने चुनौतियों का पहाड़ खड़ा कर दिया है।

कोरोना महामारी के कारण उत्पन्न संकट की वजह से सरकार के सामने इस समय सबसे बड़ी चुनौती कोरोना मामलों में हो रही वृद्धि को कम करना है। सरकार को ऐसी रणनीति बनानी होगी, ऐसी तैयारी करनी हागी, जिससे मामलों में हो रही वृद्धि को रोका जा सके। कोरोना संक्रमण के कारण भारत सरकार द्वारा दे"ा भर में लगाए गए लॉकडाउन के कारण राज्य की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई, उसे पुनः पटरी पर लाना राज्य सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। इसके अतिरिक्त कोरोना के समय रिवर्स माइग्रे"ान करने वाले लोगों को संभालना और उन्हें रोजगार देना, राज्य के घटत` हुए राजस्व में वृद्धि करना, पर्यटन, तीर्थाटन, होटल व्यवसाय आदि को पुनः पटरी पर लाना, f"ाक्षा के स्तर को ऊपर उठाना, होटल और एयरलाइंस उद्योग के कारोबार में आइ गिरावट को दूर करना, महामारी के कारण राज्य की अर्थव्यवस्था को जो नुकसान हुआ है, उस नुकसान की भरपाई करना, आदि अनेक ऐसी चुनोतियां हैं जिनसे निपटने के लिए सरकार को एक ठोस रणनीति की आव"यकता है।

कोरोना ने रिवर्स माइग्रे"ान के रुप में राज्य सरकार को एक बेहतरीन अवसर भी दिया है। यदि सरकार सही सोच और नीति पर काम करे तो हो सकता है कि पहाड़ की जवानी पहाड़ के काम आ जाए। कोरोना महामारी का सबसे ज्यादा प्रभाव राज्य के उन युवाओं पर पड़ा है, जो रोजगार के लिए राज्य से पलायन कर चुके हैं। यदि देखा जाए तो कोरोना महामारी से सरकार को एक अवसर भी मिला है कि सरकार महानगरों से लौटे हुए बेरोजगार युवाओं को अपने ही राज्य में रोजगार उपलब्ध कराकर राज्य का विकास कर सके। इसके लिए सरकार द्वारा एक वि"ोश आर्थिक पैकेज देने की आव"यकता है, जिससे इन बेरोजगार युवाओं को लोन या सब्सिडी दी जा सके ताकि युवा अपने ही राज्य में रहकर काम करने के साथ–साथ राज्य का भी विकास कर सकें। इस कोरोना काल में लगभग 60–65 प्रति"ात युवा दे"ा के विभिन्न राज्यों से लौटे हैं। करीब 3–5 प्रति"ात के बीच विदे"ाों से लौटे और 25–30 प्रति"ात राज्य के ही विभिन्न भाहरों से लौटे हैं। रिवर्स माइग्रे"ान करन` वाल बहुत से लोग आतिथ्य क्षेत्र और सेवा क्षत्रे से जुड़े हैं। साथ ही छोटे व्यवसाय करने वाले लोग भी हैं। इसके अलावा छात्र और पे"ोवर लोग भी लौटे हैं। इनमें से मात्र 30 प्रति"ात लोग ही राज्य में रहना चाहते हैं। इनमें से अधिकतर लोग स्थिति सामानय होने पर वापस जाना चाहते हैं। अतः इस समय राज्य सरकार के पास यह अवसर है कि इन बेरोजगार हुए युवाओं को राज्य में ही रोजगार उपलब्ध कराकर या वि"ोश आर्थिक पैकेज देकर अपने राज्य में ही रोक सके।

निश्कर्श

निश्कर्श रुप में कहा जा सकता है कि इस कोरोना महामारी ने दे"ा के साथ–साथ विभिन्न राज्यों में भी बहुत बुरा प्रभाव डाला है। संक्रमण के कारण सरकार द्वारा लगाए गए लॉकडाउन के कारण दे"ा के विभिन्न राज्यों की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई और बीमारी में कई लोगों को अपनी जान भी गवांनी पड़ी। उत्तराखण्ड राज्य मं` भी इस बीमारी का बहुत बुरा प्रभाव पड़ा। राज्य की अर्थव्यवस्था प्रभावित होने के साथ–साथ कई लोगों की आजीविका भी प्रभावित हुई। दे"ा के साथ–साथ इस बीमारी ने धीरे–धीरे उत्तराखण्ड राज्य में भी अपने पांव पसारने भ्ाुरु कर दिए, जिससे इस बीमारी की चपेट में आकर कई लोगों की जान चली गई, कई युवा बेरोजगार हो गए, कई लोगों का व्यवसाय प्रभावित हो गया, राज्य सरकार को मिलने वाले राजस्व में कमी आ गई आदि अनक समस्यायं` उत्पन्न हा`गई। इस बीमारी ने लोगों की रोजमर्रा की जिन्दगी को बहुत बुरी तरह से प्रभावित किया है। अतः इस बीमारी से उत्पन्न समस्याओं से बचने का बस एक ही उपाय है कि सरकार द्वारा बनाए गए नियमों का पालन किया जाए ताकि य` बीमारी जल्दी से समाप्त हो सक`और प्रत्येक व्यक्ति अपनी रोजमर्रा की जिन्दगी को आराम स`जी सके। इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा ऐसी ठोस रणनीति बनाए जाने की आव"यकता है जिससे इस संक्रमण को जल्दी से समाप्त किया जा सके और राज्य की अर्थव्यवस्था को पुनः पटरी पर लाया जा सके।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. लेख – "भारत में कोविड–19 महामारी" www.google.com
2. indiatimes.com
3. amarujala.com
4. Aarthik Sarveshan – Directorate of Economics and Statistics , Uttrakhand , uk.gov.in
5. कोविड–19 का नकारात्मक आर्थिक प्रभाव, विवके कौल, jagran.com
6. www.livehindustan.com
7. कोरोना वायरस का आर्थिक प्रभाव, दृश्टि, www.drishtiias.com
8. economictumes.com
9. लेख – कोरोना वायरस ने तोड़ी अर्थव्यवस्था की कमर, विजय जो"ाी
10. www.covindia.org
11. कमजोर वर्ग पर महामारी का अधिक प्रभाव, बलजीत कौर
12. www.uk.gov.in